

290

समक्ष न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक 2034/दो/2006 *दस्तावेज 130-8/116*

निगरानीकर्ता/आवेदक :- दशोदीबाई ठाकुर

विरुद्ध

गैरनिगरानीकर्ता/अनावेदक :- दुर्गावती डोंगसरे

आवेदक :- 1. राम बाई पति स्व. श्री अमोल सिंह, उम्र लगभग 65 वर्ष,

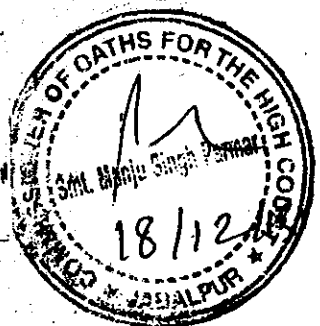
2. अमरीक सिंह पिता स्व. श्री अमोल सिंह, उम्र लगभग 45 वर्ष,

3. भूपेन्द्र सिंह पिता स्व. श्री अमोल सिंह, उम्र लगभग 35 वर्ष,

4. संयोगिता सिंह पिता स्व. श्री अमोल सिंह, उम्र लगभग 32 वर्ष

सभी निवासी-ग्राम बिछिया, तह. व जिला राजस्व मण्डल (म.प्र.)

*9 फागुन 2012
नं. 116
न्यायालय
म.प्र.
ग्वालियर*



आवेदन पत्र वास्ते प्रकरण पुर्नस्थापित किये जाने बाबत

आवेदकगण माननीय न्यायालय से निम्नलिखित निवेदन करते हैं कि :-

1. यह कि, आवेदक क्रं. 1 की सास एवं आवेदक क्रं. 2 से 4 की दादी स्व. दशोदीबाई ठाकुर द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष एक निगरानी वर्ष 2006 में प्रस्तुत की गई थी। जिसे माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक 2034/दो/2006 के रूप में दर्ज किया गया था, किन्तु लगभग 2-3 वर्ष बीमार रहने के कारण दिनांक 24.06.2012 को स्व. श्री दशोदीबाई स्वर्गवास हो चुके हैं।

2. यह कि, आवेदकगण को माननीय न्यायालय से प्रकरण विचाराधीन उक्त प्रकरण की जानकारी नहीं होने के कारण नियत समयवाधि में माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो सके, दिनांक 23.11.2015 को अनुविभागीय अधिकारी

31.8.17

गणेश को छोड़ के मैंने
 शरीर और बुद्धि का बाँटन
 पर प्रहार का ही बुद्धि सिद्ध
 आदम को शरीर के बाँटन
 पर बुद्धि का प्रहार का बाँटन
 किया। विवादे पर प्रहार
 शरीर के बाँटन का ही बुद्धि
 सिद्ध। पुनः शरीर पर प्रहार
 का ही बुद्धि प्रहार ही
 शरीर का बाँटन का ही बुद्धि

पर
 31/8/17
 म
 सु

3

म